राज्य विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारियों और नेताओं की वर्चुअल बैठक में वक्तव्य

———

माननीय पीठासीन अधिकारीगण, माननीय मंत्रीगण एवं साथियों,

➢ मैं सभी पीठासीन अधिकारियों, राज्यों के माननीय संसदीय कार्य मंत्रियों, विभिन्न दलों के पक्ष- प्रतिपक्ष के नेताओं तथा उपस्थित महानुभावों का आज की बैठक में स्वागत करता हूँ।

➢ आज हमारा देश विषम परिस्थितियों से गुजर रहा है। इसी संदर्भ में आज की यह बैठक **'कोविड-19 के कारण देश में उत्पन्न हुई गंभीर और चुनौतीपूर्ण स्थिति में जनप्रतिनिधियों की भूमिका'** पर चर्चा हेतु बुलाई गई है।

➢ मुझे प्रसन्नता है कि आप सभी देशभर से व्यापक स्तर पर इस कार्यक्रम से जुड़े हैं, ताकि हम इस महत्वपूर्ण विषय पर संवाद कर सकें, विचार विमर्श कर सकें।

➢ साथियो, कोविड-19 के संकट के एक वर्ष से भी अधिक समय बीतने के बाद आज पुनः यह महामारी अपने नए रूप में नए चुनौतियों के साथ हमारे सामने आया है। कोरोना संक्रमण का यह नया स्ट्रेन पिछले वर्ष की तुलना में और अधिक तेजी से फैल रहा है।

➢ देश first wave के समय के peak को पार कर चुका है। कई राज्य first wave की peak को क्रॉस कर चुके हैं। मैं समझता हूं कि यह हम सबके लिए गम्भीर चिंता का विषय है।

➢ सरकारें अपने स्तर पर सभी आवश्यक प्रयास कर रही हैं। परंतु संकट की इस घड़ी में विधायिका को भी और अधिक तत्परता से अपना कर्तव्य निभाना है। मेरा मानना है कि कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए हम सब को सामूहिक रूप से युद्ध स्तर पर काम करने की आवश्यकता है।

➢ साथियो, लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण होती है। हम जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य करते हैं। आज समय है कि हम पूरी एकजुटता और सामूहिकता की भावना से अपने कर्तव्यों का पालन करें तथा समाज और देश को इस आपदा से शीघ्र मुक्ति दिलाने में अपना योगदान दें।

➢ **वर्तमान के कठिन समय में आप सभी पीठासीन अधिकारीगण और सभी दलों के नेताओं की जिम्मेदारियां और भी अधिक बढ़ गई हैं। संकट की इस घडी में सभी जनप्रतिनिधियों का सबसे बड़ा दायित्व है कि वे जनता के दु:ख में उनके साथ खड़े हों और निरंतर उनका दु:ख कम करने का प्रयास करें।**

➢ **कोरोना के संबंध में जागरूकता और कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कराने के लिए हमें अपने-अपने राज्यों के जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जनता में आवश्यक संदेश पहुंचाने का प्रयास करना पडेगा।**

➢ **हमें जनता के बीच यह सन्देश बार बार देना है कि कोरोना के साथ लड़ाई में निजी सावधानी ही सबसे बड़ा हथियार है। इस बारे में कोई भी लापरवाही अत्यंत खतरनाक सिद्ध हो सकती है।**

➢ माननीय सदस्यों, कोरोना संक्रमण में आयी तेज़ रफ़्तार के कारण देश के कई हिस्सों में स्वास्थ्य सुविधाएँ दबाव में हैं। कई स्थानों से अस्पतालों में बेड की कमी, जरुरी दवाओं की कमी या ऑक्सीजन सिलिंडर की कमी होने की भी सूचनाएँ मिल रही हैं।

➢ मेरा आपसे अनुरोध है कि आप सभी अपने राज्य के जनप्रतिनिधियों से यह आग्रह करें कि वे प्रशासन एवं सरकार से लगातार संपर्क करके जनता की कठिनाइयों को दूर करने का प्रयास करें ताकि जनता को राहत मिले। वे अपने क्षेत्रों में सभी सरकारी और निजी अस्पतालों के भी निरंतर संपर्क में रहें।

➢ इसके अलावा, देश के लगभग सभी हिस्सों में सामाजिक संस्थाएं हैं, जो इस महामारी के दौरान अपने सामाजिक दायित्वों को पूरा करने का कार्य कर रही हैं।

➢ अपने कार्यों को प्रभावी रूप से करने के लिए आप इन सामाजिक संगठनों की भी सहायता ले सकते हैं। मेरे विचार में इन सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय की भावना से कार्य करना अत्यंत आवश्यक है।

➢ हमें अपने राज्यों में ग्राम पंचायतों एवं स्थानीय निकायों सहित जितनी भी लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं, उन सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं को सामूहिक रूप से कोरोना संक्रमण को कम करने के लिए जनता के बीच में रहकर व्यापक प्रयास करने हेतु प्रेरित करें। लोकतांत्रिक संस्थाओं के चुने हुए प्रतिनिधि जनता के संकट को भली भांति समझते हैं। इस कारण वे कोरोना प्रोटोकॉल के पालन हेतु सही संदेश जनता तक पहुंचाने में कारगर साबित हो सकते हैं।

➢ माननीय पीठासीन अधिकारीगण, आज का युग सूचना प्रसार का युग है। हम अपने अपने राज्यों की विधान सभाओं में एक कंट्रोल रूम स्थापित करें, जो सभी जनप्रतिनिधियों से जुड़ी रहे।

➢ इसके माध्यम से प्राप्त सूचनाएं एवं जनता की कठिनाइयों को सरकार तक पहुंचाने का काम करें और केन्द्र से संबंधित कोई विषय हो, तो वह लोक सभा कंट्रोल रूम तक पहुंचाएं।

➢ ऐसा होने से राज्यों की विधान सभाओं एवं लोक सभा का एक साझा तंत्र स्थापित हो सकेगा और हम मिलजुलकर इस भीषण महामारी को रोक पाने में कारगर साबित होंगे।

➢ मुझे प्रसन्नता है कि हमारे कोरोना वारियर्स, परिश्रमी डॉक्टर्स, हेल्थ वर्कर्स, हेल्थ-केयर स्टाफ, सफाई कर्मचारी, पुलिस बल, सब मिलकर स्थिति को संभालने में बहुत मदद कर रहे हैं। हम सबकी उनके प्रयासों में हर प्रकार से सहयोग करना चाहिए।

➢ **देश भर में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए अब तक 12 करोड से भी अधिक लोगों को टीका लगाया जा चुका है। इस टीकाकरण कार्यक्रम को देशभर में और अधिक तेज करने की आवश्यकता है।**

➢ **इसलिए हमें अपने अपने क्षेत्रों के सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह करना चाहिए कि वे इस दिशा में स्थानीय प्रशासन के प्रयासों के सहभागी बनें।**

➢ साथियो, कोरोना वैश्विक महामारी के साथ लड़ाई जीतने के लिए हमें कई स्तरों पर एक साथ कार्य करना होगा। विधायी संस्थाओं का सदस्य होने के नाते हमारा जनता के प्रति विशेष दायित्व है।

➢ हमारे मतदाता किसी प्रकार की आवश्यकता या कठिनाई होने पर सबसे पहले हमें याद करते हैं। हमें भी उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने और उनकी मुसीबतों को दूर करने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे।

➢ मैं चाहता हूँ कि इस सम्बन्ध में आप अपने सुझाव दें, अपने अपने **best practices** एक दूसरे से साझा करें ताकि एक मानक प्रक्रिया स्थापित कर सकें, एक **SOP develop** कर सकें जिससे जनता की समस्याओं का निवारण हो सके।

➢ मुझे पूरा विश्वास है कि हम इसी तरह जन जागरूकता, जनसहयोग और जनभागीदारी के संकल्प के साथ कोरोना संक्रमण के चेन को तोड़ने में सफल होंगे और अंत में विजय अवश्य प्राप्त करेंगे।

➢ धन्यवाद।

———————